तुम हो खुदाई खिदमतगार सैलवेशन -आर्मी
तुम्हें सबकों शांति की सैलवेशन देनी
आत्मा को जब शरीर नही, तब मिलती शांति
शान्तिधाम मूलवतन में ही शांति मिलती
बाप को याद करने से मिलता वर्सा सुख -शांति का
कोई देहधारी से लगन नही रखना
कोई विकर्म नही है करना
शरीर छोड़ने पर चिंता नही करना,मोहजीत बनना
अपने हर सेकंड हरसंकल्प की वैल्यू जानना और पुण्य की पूंजी ज़मा करना
संकल्प शक्ति की श्रेष्ठता पद्मापदमपति बनाता
हर कर्म में अधिकारीपन, निश्चय और नशा
मेहनत समाप्त कराता

ॐशांति!!!
मेरा बाबा!!!